"शिक्षा"

आकाश कुमार
रूड़की

जीवन स्वयं एक परीक्षा है।
और सारा संसार शिक्षा है।

यह सोचना व्यर्थ है कि परीक्षा अंतिम है।
जब तक सांस चलती है तब तक शिक्षा चलती है।

जीवन स्वयं एक परीक्षा है।
यह गुरूजनों की परम दीक्षा है।
परीक्षा से जो हारकर बैठ गया।
समझो वह जीवन से हार गया।
जीवन स्वयं एक परीक्षा है।
यह पूरे जीवन की समीक्षा है।

सफल वही है जो देता रहता है परीक्षा।
अपनी हार से भी रहता है कुछ सीखता।

जीवन स्वयं एक परीक्षा है।

सूंपर्ण जीवन की पूंजी शिक्षा है।
परीक्षा जीवन के लिए प्रेरणा है।
प्रेरणा ही शिक्षा की धारणा है।
शिक्षा ही करती हमारी रक्षा है।

जीवन स्वयं एक परीक्षा है।